

- (1) 'युक्तं भुक्तवतो युक्तो । (च. चि. 15/51)
(अ) करोति विषम पचन
(ब) व्याधि कर्षणात्
(स) धातुसाम्यं समं पचन
(द) प्रसादजः
- (2) एक रोगी जिसका दुष्कोष्ठ है उसे विरेचन औषध देना है। – चरकानुसार ऐसी स्थिति में क्या निर्दिष्ट है ?
(अ) सामान्य मात्रा में बार-बार देना
(ब) मात्रा में बार-बार देना
(स) मृदु औषधि पुनः पुनः देना
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (3) अक्रियायां ध्रुवो मृत्युः क्रियायां संशयो भवेत् । – किससे संबंधित है ?
(अ) ग्रह रोग
(ब) संयास
(स) जठर रोग
(द) उन्माद
- (4) चरक संहिता प्रासृतयोगीयां सिद्धि अध्याय में अतिसार के दोषानुसार कितने भेद बतलाये हैं ? (च. सि. 8/21)
(अ) 4
(ब) 8
(स) 16
(द) 36
- (5) चरक संहिता में शोष निदान के अन्तर्गत इसके चार कारण बताये हैं ? (च. नि. 6/3)
(अ) विषमाशन साहस, क्षय, अग्निह्रास
(ब) आतपसेवन, भय, शोक, अतिसाहस
(स) साहस, सन्धारण, क्षय, विषमाशन
(द) बलक्षय, साहस, मानसिक सन्ताप, ज्वर
- (6) "गर्भकोष्ठार्तवागमन वैशेष्यात्" – किसके सम्बंधित है। (च. नि. 3/13)
(अ) मूढगर्भ
(ब) रक्तप्रदर
(स) गर्भस्राव
(द) रक्त गुल्म
- (7) किस व्याधि की उपेक्षा करने पर 'दौर्बल्योरोचकाविपाकश्वासकासज्वरातिसारशोफशोष व पाण्डु' रोग हो सकते हैं ?
(अ) प्रमेह
(ब) राजयक्ष्मा
(स) रक्तपित्त
(द) कुष्ठ
- (8) एकत्रीभूत दोषों की पुनः कल्पना और अंश के बल की कल्पना कहलाती है ? (च. नि. 1/11)
(अ) प्रादुर्भूत लक्षण
(ब) विकल्प सम्प्राप्ति
(स) विधि सम्प्राप्ति
(द) प्राधान्य सम्प्राप्ति

1. C

2. C

3. C

4. D

5. C

6. D

7. C

8. B

- (9) "नानौषधिभूतं जगति किञ्चिद् द्रव्यमुपलभ्यते" – संदर्भ मूलरूप से उद्धृत है ? (च. सू. 26/12)
- (अ) चरक संहिता
(ब) भाव प्रकाश
(स) वाग्भट्ट
(द) शारंगधर संहिता
- (10) दो-दो, तीन-तीन, चार-चार, पाँच-पाँच एवं छः रस आपस में मिलकर क्रमशः द्रव्य बनाते हैं ?
- (अ) 15, 20, 15, 20, 25
(ब) 12, 18, 24, 30, 36
(स) 30, 24, 18, 12, 6
(द) 15, 20, 15, 6, 1
- (11) प्रकुपित कफ गले अन्तःप्रदेश में जाकर स्थिर हो जाये, शीघ्र ही शोथ उत्पन्न कर दे तो वह है ? (च.सू. 18/22)
- (अ) गुल्म
(ब) गलगण्ड
(स) गलग्रह
(द) गलशुण्डिका
- (12) सर्पिवर्ण, मधु के समान रस एवं लाजा के समान गन्ध – किसका लक्षण है ? (च. सू. 17/75)
- (अ) मेद धातु
(ब) रस धातु
(स) शुक्र धातु
(द) ओज
- (13) "तैलपन्चक" निम्न में से किस की चिकित्सा हेतु निर्दिष्ट है –
- (अ) वातरक्त
(ब) गुल्म
(स) आमवात
(द) कुष्ठ
- (14) "हृदयं मन्यते च्युतं" – निम्न में से किस व्याधि का लक्षण है ? (च. चि. 18/26)
- (अ) क्षयज कास
(ब) वातिक कास
(स) क्षतक्षीण
(द) उपर्युक्त सभी
- (15) एक रोगी हेतु उसके शुक्र का पानी में डालने पर डूब जाना— कितनी समयावधि का अरिष्ट है ? (च. इ. 11/11)
- (अ) 30 दिन
(ब) 15 दिन
(स) 7 दिन
(द) 3 दिन
- (16) वातज उन्माद मे 'भयदर्शन' किस प्रकार की चिकित्सा का उदाहरण है ?
- (अ) हेतुविपरीतार्थकारी
(ब) व्याधिविपरीतार्थकारी
(स) उभयविपरीतार्थकारी
(द) व्याधि विपरीत

9. A	10. D	11. C	12. D	13. B	14. A	15. A	16. A
------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (17) सुश्रुत संहिता (डल्हण टीका) में निम्न किसको यन्त्र एवं शस्त्र दोनों के रूप में माना जाता है ? (सु. सू. 8/41)
- (अ) मण्डलाग्र
(ब) मुद्रिका
(स) बडिश
(द) कंकमुख
- (18) शास्त्रानुसार शल्य चिकित्सा से पूर्व क्रमशः निषिद्ध एवं ग्रहणीय द्रव्य है ? (सु. सू. 17/16)
- (अ) भोजन, मद्य
(ब) मद्य, भोजन
(स) उपरोक्त दोनों असत्य है
(द) उपरोक्त तीनों कथन असत्य है
- (19) 'पश्चाद्गुज' शरीर के किस भाग को प्रभावित करता है ?
- (अ) Anal area
(ब) Peritibial area
(स) Cardiac region
(द) Scalp
- (20) एक सामान्य मनुष्य के शरीर में ताम्र की मात्रा 100–150 मि. ग्रा. होती है। इसका प्रमुख भाग कहाँ होता है ?
- (अ) मांसपेशियाँ
(ब) अस्थियाँ
(स) यकृत
(द) वृक्क
- (21) चरक ने अर्श में रक्तस्तम्भनार्थ हेतु किसका निर्देश किया है ? (च. चि. 14/219)
- (अ) शतधौत घृत
(ब) सहस्रधौत घृत
(स) उपरोक्त दोनों
(द) उपरोक्त में कोई भी नहीं
- (22) अरविन्दासव को मधुर बनाने के लिए उपयोग करते हैं ?
- (अ) गुड
(ब) मधु
(स) शर्करा
(द) शर्करा एवं मधु
- (23) Absorption of Tamra (Copper) principally occurs in human from -
- (A) Stomuch
(B) Mouth
(C) Duodenum
(D) Ileum
- (24) 'चांगेरी घृत' का उपयोग किस व्याधि में उपयोगी है ? (च. चि 19/43)
- (अ) पाण्डु
(ब) गुदभ्रंश
(स) कामला
(द) श्वास रोग

17. C	18. A	19. A	20. C	21. C	22. D	23. C	24. B
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (25) चरक के मतानुसार 'पिप्पली वर्धमान रसायन' का प्रमुख उपयोग किस व्याधि में निर्दिष्ट है ?
(अ) प्लीहोदर
(ब) श्वास
(स) कास
(द) उपरोक्त सभी में
- (26) प्रवाल चूर्ण का प्रयोग निर्दिष्ट है ? (च. चि. 26/56)
(अ) वातज मूत्रकृच्छ्र
(ब) पित्तज मूत्रकृच्छ्र
(स) कफज मूत्रकृच्छ्र
(द) उपरोक्त में कोई भी नहीं
- (27) A child is suffering with diarrhoea since last 6 months, weight of the child is 42 % loss of weight to his expected weight for age and there is no edema than In what will be your diagnosis ?
(A) PEM Grade I
(B) PEM Grade II
(C) PEM Grade III
(D) PEM Grade IV
- (28) लेहन निम्न में से किस स्थिति में अर्निर्दिष्ट नहीं है ? (का. सू. 1 लेहाध्याय)
(अ) गम्भीर रूप से पीडित माँ के बच्चे में
(ब) मजबूत शरीर का बालक
(स) कामला से ग्रसित बालक
(द) बालक जो हृद्रोग से पीडित हो
- (29) माधव निदान में वर्णित 'विसूचिका' के उपद्रव है ? (माधव निदान 6/25)
(अ) प्रवाहिका
(ब) अनिद्रा, मूत्रहास्र, संज्ञानाश
(स) निद्रानाश, अरति, कम्प, मूत्राघात, विसंज्ञता
(द) अनिद्रा, श्यावता, मूत्रहास्र
- (30) वात्सल्य इससे संबंधित नहीं है ?
(A) Oxytoxin production
(B) Breast milk production due to secretion of prolaction hormone
(C) Letdown reflex
(D) Breast milk flow
- (31) प्राणप्रत्यागमन के समय कितनी इन्द्रियों को उत्तेजना प्रदान की जाती है ?
(अ) 1
(ब) 2
(स) 3
(द) 4
- (32) एक सामान्य व्यक्ति में श्वसन के दौरान प्रतिदिन होने वाला जल एवं सम ऊर्जा ह्रास औसतन होता है ?
(अ) 400 ml, 230 Cal
(ब) 380 ml, 280 Cal
(स) 300 ml, 200 Cal
(द) 200 ml, 100 Cal

25. A	26. C	27. D	28. A	29. C	30. A	31. C	32. A
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (33) After consuming a high dose of a drug patient developed anorexia, painful Swelling over long bones and pruritic rashes. It happened due to toxicity of which Vitamin ?
(A) Vit B₆
(B) Vit A
(C) Vit E
(D) Vit D
- (34) 'वल्लूर' शब्द का चक्रपाणिकृत अर्थ है ?
(अ) शुष्क फलम्
(ब) शुष्क मांसम्
(स) शुष्क शाकम्
(द) शुष्क कन्दम्
- (35) बृंहणीय वस्ति का प्रभाव निर्दिष्ट है ?
(अ) वृहदांत्र
(ब) सम्पूर्ण आंत्र में
(स) आंत्र, उदरीय एवं उरः अंगों में
(द) सम्पूर्ण शरीर
- (36) 'इन्द्रवडवा' हैं ? (का. क. 7)
(अ) एक प्रकार की जलौका
(ब) जलौका की एक व्याधि
(स) जातहारिणी चिकित्सा में प्रयुक्त मन्त्र
(द) एक जातहारिणी जो कि गर्भाशयान्तर्गत गर्भ मृत्यु को निर्दिष्ट करती है।
- (37) अन्नप्राशन संस्कार के समय बालक को कितनी मात्रा में तथा कितनी बार अन्न देना चाहिए है ? (का. खि. 12)
(अ) अगुष्ठमात्रं सुमृदित अन्न 3-4 बार
(ब) अगुष्ठमात्रं सुमृदित अन्न 3-5 बार
(स) अगुलमात्रं सुमृदित अन्न 3-4 बार
(द) अगुलमात्रं सुमृदित अन्न 4-5 बार
- (38) Kwashiorkar is characterized by all except -
(A) Dermatitis
(B) Oedema
(C) Flag sign
(D) Alertness
- (39) 'होम, व्रत, तप, दान तथा शान्तिकर्म' - इस सम्पूर्ण चिकित्सा व्यवस्था का शास्त्रीय नाम है ?
(अ) औषध
(ब) भेषज
(स) पथ्य
(द) उपरोक्त सभी
- (40) 'पवनपृथ्वी व्यतिरेकात्' से किस रस का निर्माण होता है ? (च. सू. 26/40)
(अ) अम्ल
(ब) लवण
(स) मधुर
(द) कषाय

33. B	34. B	35. D	36. D	37. B	38. D	39. B	40. D
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

(41) गुरु, स्निग्ध व उष्ण गुण किस रस में उपस्थित होते हैं ? (च. सू. 26/42)

- (अ) कटु
- (ब) तिक्त
- (स) लवण
- (द) अम्ल

(42) 'रोचनं दीपनं वातकफदौगन्ध्यनाशनम्' है ?

- (अ) कार्वी
- (ब) रसोन
- (स) सरला
- (द) पलाण्डु

(43) कौन सा द्रव्य विचित्र प्रत्यारब्ध का उदाहरण है ?

- (अ) गुडूची
- (ब) यष्टिमधु
- (स) कुटज
- (द) किराततिक्त

(44) 'विदारीगंधा' किसका पर्याय है ?

- (अ) क्षीरविदारी
- (ब) विदारी
- (स) शालपर्णी
- (द) पृश्निपर्णी

(45) कौनसा द्रव्य कटुचतुर्जातक में सम्मिलित नहीं है ?

- (अ) पत्रक
- (ब) त्वक्
- (स) लवंग
- (द) एला

(46) 'पूयशोणित' रोग है ?

- (अ) कण्ठरोग
- (ब) नासारोग
- (स) नेत्र रोग
- (द) कर्ण रोग

(47) Boyce's position is given in -

- (A) Tooth Extraction
- (B) Direct Laryngoscopy
- (C) Glomus Juglaris Tumours
- (D) Posterior Tonsillectomy

(48) हनुसंधि विश्लेष की स्थिति में कौनसा बंध बाँधते हैं ? (सु. चि. 3/39)

- (अ) स्वस्तिक
- (ब) गोफणा
- (स) पंचागी
- (द) खटवा

41. C

42. A

43. D

44. C

45. C

46. B

47. D

48. C

(49) Round Ligament inserted in -

- (A) Labia minora
- (B) Clitoris
- (C) Vaginal fornix
- (D) Labia majora

(50) इनमें से सर्वशरीरव्यापी कला है ? (सु. शा. 4/20)

- (अ) मांसधरा
- (ब) रक्तधरा
- (स) शुक्रधरा
- (द) पित्तधरा

(51) All are true about Right kidney except -

- (A) Related to the duodenum
- (B) Lower than the left kidney
- (C) The renal vein is shorter than the left
- (D) Preferred over the left for transplantation

(52) असम्मोहश्च वैद्यस्य शस्यते।। (सु. सू. 5/10)

- (अ) निराश्रय
- (ब) कर्माणि
- (स) उपर्युक्त दोनों
- (द) उपरोक्त में कोई नहीं

(53) निराग्नि स्वेद के संबंध में कौनसा का युग्म ठीक है? (च. सू. 14/64)

- (अ) क्षुधा – पिपासा
- (ब) क्रोध – शोक
- (स) व्यायाम – युद्ध
- (द) तप – आतप

(54) अजा के अर्धोदक दुग्ध में सुगंधबाला, उत्पल, नागर व पृश्निपृष्णी कल्क से बनाई पेया नष्ट करती है (च.सू.2/21)

- (अ) तीव्र ज्वर
- (ब) मूत्रकृच्छ
- (स) रक्तातिसार
- (द) विषम ज्वर

(55) कौन सी अवस्था के लिए चिकित्सा परम आवश्यक है ? (च. सू. 24/42)

- (अ) मद
- (ब) मूर्च्छा
- (स) संन्यास
- (द) उपरोक्त सभी हेतु

(56) 'हृदयाद' कौनसा कृमि है ? (च. सू. 19/3७)

- (अ) बाह्य कृमि
- (ब) रक्तज कृमि
- (स) श्लेष्मज कृमि
- (द) पुरीषज कृमि

49. D	50. C	51. C	52. D	53. C	54. C	55. C	56. C
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (57) बालकों में होने वाला घातक विसर्प रोग है ? (माधव निदान 68 / 14)
(अ) अहिपूतना
(ब) अजगल्लिका
(स) चर्मदल
(द) महापद्म
- (58) वृत्तान्ततो यः श्वयथुः सदाह कण्डवान्वितोऽपाकमृदुर्गुरुश्च' – किस व्याधि का लक्षण है ? (सु. नि. 16 / 57)
(अ) बलास
(ब) वलय
(स) एक वृन्द
(द) गिलायु
- (59) इस व्याधि से पीडित रोगी यदि 3 दिन बाद भी जीवित रहे, तो उसकी चिकित्सा करनी चाहिए (च. सि. 9 / 73)
(अ) कृमि ग्रन्थि
(ब) रक्त शिरोरोग
(स) शोणितार्श
(द) शंखक
- (60) जिह्वातलाभो मृदुः स्निग्धः श्लक्ष्णो विगतवेदनः – कौनसे व्रण का लक्षण है ? (सु. चि. 1 / 7)
(अ) संक्रमित व्रण
(ब) सम्यकरूढ व्रण
(स) रोपणशील व्रण
(द) शुद्ध व्रण
- (61) 'शक्तिदन्तेषु खडगाग्र विषाणैराशयोहतः' – किस सद्योव्रण को उत्पन्न करते हैं ? (सु. नि. 2 / 11)
(अ) छिन्न
(ब) भिन्न
(स) पिच्छित
(द) घृष्ट
- (62) अल्पचेष्टा, क्षुद्रश्वास, तृष्णा, मोह, निद्रा, श्वासावरोध, क्षुधा, स्वेद व दौर्गन्ध्य किसके लक्षण हैं ? (मा. नि. 34 / 3)
(अ) हृदय रोग
(ब) वृक्क रोग
(स) मेदोरोग
(द) उदर रोग
- (63) 'भानुपाक, स्थालीपाक व पुटपाक' क्रम से भस्म निर्माण करते हैं ?
(अ) केवल लौह भस्म का
(ब) केवल अभ्रक भस्म का
(स) लौह और अभ्रक भस्म का
(द) उपरोक्त में से किसी का नहीं
- (64) सुश्रुत निर्देशानुसार हेतुव्याधिविपरीतार्थकारी विहारोपक्रम के अन्तर्गत अनेक दोष युक्त छर्दि में क्या करना चाहिए ?
(अ) छर्दि निग्रहण
(ब) वमन
(स) भ्रमण
(द) उपरोक्त कोई भी नहीं

57. D	58. C	59. D	60. D	61. B	62. C	63. A	64. B
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (65) '..... तु खलून्मादकराणां भूतानामुन्मादे प्रयोजनं भवति:' (च. नि. 7/15)
(अ) द्विविधं
(ब) त्रिविधं
(स) चतुर्विधं
(द) पन्चविधं
- (66) "स च सप्तविधोदोषैर्विज्ञेयः सप्त धातुक" – किसके संदर्भ में कहा गया है ?
(अ) प्रमेह
(ब) उदररोग
(स) विसर्प
(द) ज्वर
- (67) पंचामृत पर्पटी के भाग है ?
(अ) ताम्र एवं तुत्थ भस्म
(ब) अभ्रक एवं मण्डूर भस्म
(स) पारद एवं गंधक
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
- (68) पक्वबिम्बफलच्छायं वृत्तायतमवक्रकम् – लक्षण है ? (र. र. समु. 4/17)
(अ) माणिक्य
(ब) प्रवाल
(स) मुक्ता
(द) उपरोक्त में कोई नहीं
- (69) "भाविव्याधि बोधकमेव लिंगम् पूर्वरूपम् " परिभाषा किस आचार्य द्वारा निर्देशित है ?
(अ) चक्रपाणि
(ब) डल्हन
(स) माधवकर
(द) गंगाधर
- (70) लक्षण के आधार पर "कुपण गंधि आर्तवदुष्टि" को किस आधुनिक व्याधि के समकक्ष रखा जा सकता है ?
(A) Endometrial Carcinoma
(B) Chronic pelvic cervicitis
(C) Acute infection of reproductive system
(D) Cervical carcinoma
- (71) ऋतु, क्षेत्र, अम्बु और बीज – गर्भ उत्पत्ति के संदर्भ क्या होते हैं ? (सु. शा. 2/35)
(अ) गर्भोपघातकर भाव
(ब) गर्भवृद्धिकर भाव
(स) गर्भोत्पत्ति सामग्री
(द) गर्भोत्पादक भाव
- (72) जो वस्तु जैसी है उसको उसी रूप में ग्रहण करना कहलाता है ?
(अ) प्रमा
(ब) प्रमेय
(स) प्रमाता
(द) एतिह्य

65. B

66. C

67. C

68. B

69. C

70. A

71. C

72. A

- (73) दर्शन के अनुसार भौतिक परिवर्तन हेतु प्रयुक्त प्रक्रिया कहलाती है ?
(अ) पीलू पाक
(ब) पिठर पाक
(स) परिणाम
(द) प्रकृति
- (74) "पथ्य ही भोजन करना चाहिए" – उक्त कथन किस तंत्रयुक्ति का उदाहरण है ? (सु. उ. 65/37)
(अ) स्वसंज्ञा
(ब) निदर्शन
(स) नियोग
(द) समुच्चय
- (75) उत्तर वस्ति परिचर्या के अन्तर्गत चरक ने कितनी बातों को विशेष रूप से वर्जनीय बताया है ? (च. सि. 12/10)
(अ) 8
(ब) 7
(स) 6
(द) 5
- (76) सामान्यावस्था में एक व्यक्ति का मस्तिष्क, यकृत, वृक्क एवं हृदय क्रमशः कितने रक्तमात्रा/मिनिट प्राप्त करते हैं ?
(अ) 750, 1500, 1200, 200 ml
(ब) 1500, 750, 200, 1200 ml
(स) 1200, 200, 1500, 750 ml
(द) 200, 1200, 1500, 750 ml
- (77) शीत,उष्ण, स्निग्ध,रूक्षादि उपक्रमों से भी शान्त न होने वाले शाखानुसारी ज्वर की चिकित्सा है ? (च.चि. 3/289)
(अ) सर्पिपान
(ब) विरेचन
(स) निरूह वस्ति
(द) रक्तावसेचन
- (78) किस माह में गर्भ 'सुख दुख का अनुभव' करना प्रारम्भ कर देता है ? (का. शा. 2)
(अ) तृतीय
(ब) चतुर्थ
(स) षष्ठम्
(द) सप्तम्
- (79) शरीर का "गौर वर्ण" किन महाभूतों निम्न संयोग से उत्पन्न होता है ? (सु. शा. 2/37)
(अ) तेज, जल, आकाश
(ब) तेज, पृथ्वी, वायु
(स) आकाश, वायु, जल
(द) आकाश, जल, पृथ्वी
- (80) 'पिण्डकोद्वेष्टन' किसके वेगावरोध का लक्षण है ? (च. सू. 7/8)
(अ) मूत्र
(ब) पुरीष
(स) शुक्र
(द) श्रम:निश्वास

73. B	74. C	75. A	76. A	77. D	78. A	79. A	80. B
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------